Title: Inclusion of Rajasthani Language in VIII Schedule.

श्री निहाल चन्द चौहान (गंगानगर): सभापति महोदय, धन्यवाद। इस देश के अन्दर करीबन साढ़े चार सौ से ज्यादा बोलियां बोली जाती हैं। मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार का ध्यान राजस्थान की राजस्थानी भाषा की तरफ दिलाना चाहूंगा। सन् 1936 में राजस्थानी भाषा की पहली मांग राजस्थान में उठी थी। राजस्थान के 10 करोड़ लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा को मैं आठवीं सूची में शामिल करने के लिए केन्द्र सरकार से आग्रह करता हूँ। 25 अगस्त, 2003 को राजस्थान विधान सभा में आदरणीय भैरोंसिंह जी शेखावत के नेतृत्व में एक संकल्प प्रस्ताव पारित किया गया था कि राजस्थानी भाषा को आठवीं सूची में शामिल किया जाए। यह मामला केन्द्र में गृह मंत्रालय में विचाराधीन है। गृह मंत्री जी का इसे ब्रज भाषा के साथ जोड़ने का वक्तव्य था इसलिए मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से आग्रह करूंगा कि राजस्थानी भाषा को आठवीं सूची में शामिल करके एक अलग भाषा का दर्जा दिया जाए।